हनुमान जयंती पूजा विधि PDF

हिंदू मान्यता के अनुसार हनुमानजी सिंदूर या केसरिया रंग के थे, इसलिए हनुमानजी की मूर्ति को सिंदूर लगाया जाता है। पूजा विधि के दौरान दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली से हनुमानजी की प्रतिमा पर सिंदूर लगाना चाहिए।

हनुमानजी को केवड़ा, चमेली और अंबर की गंध प्रिय होती है, इसलिए जब भी हनुमानजी को अगरबत्ती या अगरबत्ती का प्रयोग करना हो, तभी इन सुगंधियों का प्रयोग करना चाहिए, इससे हनुमानजी शीघ्र ही प्रसन्न होंगे। हनुमानजी की अगरबत्ती को अंगूठे और तर्जनी के बीच पकड़कर, मूर्ति के सामने दक्षिणावर्त दिशा में तीन बार घुमाकर पूजा करनी चाहिए।

किसी भी मंत्र का जाप हनुमान जी के सामने 5 बार अवश्य करना चाहिए और मंत्र का जाप करते समय आपका पूरा ध्यान हनुमान जी की भक्ति में होना चाहिए

इस प्रकार भक्त प्रतिदिन अपने इष्टदेव की आराधना कर सकते हैं, लेकिन फिर भी हिन्दू धर्म में विशेषकर महाराष्ट्र राज्य में "मंगलवार" को हनुमानजी का दिन घोषित किया गया है। इसलिए इस दिन हनुमानजी की पूजा का विशेष महत्व है।

हनुमान जी की पूजा मुख्य रूप से मंगलवार को की जाती है परंतु बहुत सी जगह मंगलवार के साथ-साथ शनिवार को भी हनुमान जी की पूजा की जाती है इसलिए हिंदू धर्म मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी की पूजा के लिए

pdfinbox.com

विशेष माना जाता है। भक्त इन दिनों में हनुमान चालीसा, सुंदरकांड आदि का पाठ करते हैं। इस दिन हनुमानजी की प्रतिमा पर तेल और सिंदूर भी चढ़ाया जाता है।

pdfinbox.com

pdfinbox.com